*नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त*

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

*(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)*

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-promgahv@gmail.com

---

## दुनिया का ज्ञान बटन पर आ गया है -प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र

### हिंदी विश्वविद्यालय में कर्मियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

वर्धा दि. 25 अप्रैल 2015: आज पूरी दुनिया में ज्ञान भाषा से नहीं बल्कि कंप्यूटर के बटन से प्राप्त किया जा रहा है। वर्तमान में कंप्यूटर जीवन का एक अहम हिस्सा बना हुआ है। कार्यालय के कामकाज में गति और पारदर्शिता लाने के लिए कंप्यूटर सीखना एक अनिवार्य शर्त हो गयी है।

उक्त प्रतिपादन प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने किए। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में कर्मचारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ एवं 'लीला' द्वारा कर्मियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर बोल रहे थे। शनिवार को भाषा विद्यापीठ के सभागार में सम्पन्न कार्यक्रम में भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, कुलसचिव संजय गवई तथा प्रकोष्ठ के संयोजक राजेश अरोड़ा, लीला प्रभारी गिरीश पांडे, प्रशिक्षक हेमलता गोडबोले, पंकज पाटिल, अंजनी राय, अरविंद कुमार

उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागी हुए कर्मियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। प्रो. मिश्र ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय भारत का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय कहा जा सकता है जहां प्रत्येक छात्र को कंप्यूटर से संबंधित विषय का अध्ययन अनिवार्य रूप से करना पडता है। हम कर्मियों की कार्यकुशता को और बढ़ाने के लिए उन्हें कंप्यूटर की अद्यतन प्रणाली का ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करते रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय का कार्य तेजी ते होता रहे। कार्यक्रम में प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल तथा कुलसचिव संजय गवई ने भी वक्तव्य दिए। संचालन एवं आभार ज्ञापन संयोजक राजेश अरोड़ा ने किया। प्रशिक्षण में लगभग 50 से अधिक स्थायी एवं अस्थायी कर्मियों ने सहभागिता की।

# संगणक क्रांतीमुळे जगातील ज्ञान बटनवर उपलब्ध -प्रो. चित्तरंजन मिश्र

**हिंदी विश्वविद्यालयात कर्मचा-यांच्या संगणक प्रशिक्षण कार्यक्रमाचा समारोप**

वर्धा दि. 25 एप्रिल 2015: आज संपूर्ण जगातील ज्ञान भाषेतून नव्हे तर संगणकाच्या एका बटनवर उपलब्ध होत आहे. संगणक हे जीवनाचा एक अविभाज्य घटक झाले आहे. कार्यालयातील कामकाजात गती आणि पारदर्शकता आणण्याकरिता संगणक प्रशिक्षण एक अनिवार्य अट झाली आहे. असे मत प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी मांडले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात कर्मचा-यांकरिता आयोजित पाच दिवसीय संगणक प्रशिक्षण कार्यक्रमाच्या समारोप प्रसंगी बोलत होते. शनिवारी भाषा विभागाच्या  सभागृहात आयोजित कार्यक्रमाला अधिष्ठाता प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, कुलसचिव संजय गवई आणि कार्यक्रम संयोजक राजेश अरोरा, लीला प्रभारी गिरीश पांडे, प्रशिक्षक हेमलता गोडबोले, पंकज पाटिल, अंजनी राय, अरविंद कुमार उपस्थित होते.

यावेळी प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी प्रशिक्षणार्थींना प्रमाणपत्र प्रदान केले. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल तथा कुलसचिव संजय गवई यांनीही यावेळी संबोधित केले. संचालन व आभार राजेश अरोरा यांनी मानले.

प्रशिक्षणात 50 हून अधिक कर्मचारी सहभागी झाले होते.